श्री बेरवा : मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार समझती है कि स्कूलों में राष्ट्रीय झंडा फहराने के अवसर पर झंडे का पूरा सम्मान किया जायेगा ।

अध्यक्ष महोदय : इस का जवाब तो मिनिस्टर साहब ने दे दिया है ।

श्री बड़े : मैं यह जानना चाहता हूं कि राष्ट्रीय गीत गाना और राष्ट्रीय झंडा फहराना सरकारी स्कूलों में होगा या उर्दू स्कूलों में और क्रिस्टियन स्कूलों में भी होगा, जो कि गवर्नमेंट-एडिड स्कूल होते हैं ।

डा० का० ला० श्रीमाली : सभी पाठशालाओं में होगा ।

श्रीमती जयाबेन शाह : आज-कल पाठशाला में प्रशिक्षण शुरू होने से पहले प्रेयर होती है । मैं जानना चाहती हूं कि क्या प्रेयर को रिप्लेस कर के उस के बदले में राष्ट्रीय गान होगा या राष्ट्रीय गान शाम को होगा ।

डा० का० ला० श्रीमाली : अगर कहीं प्रार्थना होती है, तो प्रार्थना भी हो, लेकिन यह आवश्यक है कि हर एक स्कूल में राष्ट्रीय गान हो ।

विदेशियों की प्रतिमायें

*५८४. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि विदेशियों की प्रतिमायें राजधानी से हटाने के सम्बन्ध में अब तक और क्या प्रगति हुई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दातार) : जनरल जान निकलसन तथा एलैग्जेंडर टेलर की दो प्रतिमायें राजधानी में अपने स्थानों से पहले ही हटाई जा चुकी हैं । किंग जार्ज पंचम तथा क्वीन मैरी की प्रतिमाओं को राष्ट्रपति भवन से हटा कर विक्टोरिया मैमोरियल हाल, कलकत्ता में रखने का विचार है ।

I shall also read the answer in English.

The two statues of Generals John Nicholson and Alexander Taylor have already been removed from their sites in the Capital. It is now proposed to remove the statues of King George V and Queen Mary from the Rashtrapati Bhawan for being housed in the Victoria Memorial Hall, Calcutta.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : यदि मैं भूल नहीं करता हूं तो आज से दो वर्ष पहले भूतपूर्व गृह मंत्री श्री पन्त जी ने इस प्रकार के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बताया था कि जब अजायबघरों में स्थान खाली हो जायेगा तो ये जितनी भी अंग्रेजों की प्रतिमायें हैं, ये सब हटा कर वहां रख दी जायेंगी । आज दो वर्ष के बाद भी गृह-मंत्री जी ने बताया है कि अभी दो को हटा कर विक्टोरया मैमोरियल हाल में रखने का विचार है । मैं जानना चाहता हूं कि क्या इन दो वर्षों में इतनी प्रगति भी नहीं हो सकी है कि जो भारत के माथे के ये सब कलंक हटा दिये जाते ?

Shri Datar: May I point out that it was proposed to place some of these statues in the museum at Delhi but it has been found that no sufficient space for them is available? That is the reason why this is being sent to Calcutta.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या माननीय गृह मंत्री इस सम्बन्ध में कोई ऐसी नीति की घोषणा करेंगे कि अमुक अवधि तक ये जितनी भी विदेशियों की प्रतिमायें हैं, ये हटा दी जायेंगी ?

Mr. Speaker: When the substances go the shadows would vanish automatically.

श्री बेरवा : मैं जानना चाहता हूं कि दिल्ली में हमारे पार्लियामेंट हाउस के इधर उधर विदेशी महानुभावों की कितनी मूर्तियां खड़ी हैं और क्या आप इन को तो यहां से कम से कम हटाने का प्रयत्न करेंगे ?

Mr. Speaker: That is a suggestion for action.

Shri Indrajit Gupta: In view of the fact that the Victoria Memorial Hall is itself surrounded by at least half a dozen statues of British Commanders-in-Chief and Generals, would the Government of India pursue this with the State Governments as a matter of common national policy?

Mr. Speaker: That is another suggestion.

श्री भक्त दर्शन : श्रीमान्, दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में जो प्रतिमायें हैं, उन से भी अधिक आपत्तिजनक प्रतिमायें इस संसद् भवन के चारों ओर हैं । इन के बारे में यह बताया गया था कि दिल्ली का राष्ट्रीय संग्रहालय बनने पर उन्हें हटा दिया जायेगा । दिल्ली का संग्रहालय बने करीब एक वर्ष हो चुका है । मैं जानना चाहता हूं कि क्यों नहीं इन को हटाया जा रहा है और कब तक इन को हटाये जाने की सम्भावना है ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) बात यह है कि इन को हटाने की बराबर हम कोशिश कर रहे हैं और लिखा पढ़ी के अलावा मैं ने खुद मिनिस्टर साहब, श्री हुमायूं कबिर से बातचीत की थी और कोशिश की थी कि वह इन को वहां ले जायें । लेकिन वह कहते हैं कि म्यूजियम में हमारे यहां बिल्कुल गुंजाइश नहीं है और हम किसी तरह से इन को वहां रख नहीं सकते हैं ।

दूसरी बात यह है कि ये भारी भारी मूर्तियां हैं, इन को आप कहीं इस जगह या उस जगह ऐसे ही नहीं डाल सकते हैं । और जहां चाहे आप इन को रखदें कहीं कोने में रखदें या अंडर- ग्राउन्ड में रखें, मगर जगह नहीं है । हम विचार कर रहे हैं कि कहां इन को रखा जाये । डब्ल्यू० एच० एस० मिनिस्ट्री से कह रखा है कि वे कहीं इन को रखें । इस तरह बराबर हम इस की कोशिश कर रहे हैं कि इन को हटा दें ।

Central Board of Secondary Education

\+

*585. { **Shri Bhagwat Jha Azad:**
Shri Bhakt Darshan:

Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether the Central Board of Secondary Education will conduct any all India Higher Secondary Examination in the country; and

(b) whether such examinations will replace the existing examinations that are being conducted in the different States?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali): (a) Yes, Sir. The Board will conduct Higher Secondary Examination in a common syllabus and medium of examination for the schools which get affiliated to it.

(b) No, Sir.

Shri Bhagwat Jha Azad: Could we know the scope of this examination? May we know whether any of the State Governments have agreed to this and stated that they would allow the schools in their States to affiliate to the Central Board of Secondary Education?

Dr. K. L. Shrimali: I think I have answered this question a little while ago. I would, however, like to explain to the hon. Member that this Board has been established primarily to cater to the needs of the Union Territory of Delhi and such institutions which may like to seek affiliation to the Central Board. There is no question of consulting the State Governments because one of the conditions which we have laid down for the examination is that the school which seeks affiliation with this Board could seek affiliation only with the concurrence of the State Government. So, the State Governments will automatically come into the picture.

Shri Bhagwat Jha Azad: May I know whether it has been decided as to what would be the medium of examination and whether there will be